हांग कांग में नस्लीय भेदभाव

विवरण

- हांग कांग को बहु-सांस्कृतिक शहर के रूप में सम्मान दिया जाता है, साथ ही, ब्रिटिश औपनिवेशिक युग के दौरान भारतीय सैनिकों और नेपाली गोरखा ब्रिगेड के सदस्यों सहित कई ईएम पीढ़ियों से हांग कांग में रहे हैं, और भारतीय तथा अन्य व्यापारी शुरुआती दिनों से ही व्यापार के लिए आ रहे हैं। यहाँ घर बसाने के बावजुद कुछ जातीय अल्पसंख्यक (EM) निवासियों को भाषाई बाधा और पूर्वाग्रहों के कारण हाशिए पर रखा गया है। इस वजह से इनकी शिक्षा और रोजगार के अवसरों में बाधा आती है, इस प्रकार यह उस दुष्चक्र को कायम रखता है जिसमें सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाने और समाज में पूर्ण एकीकरण मुश्किल है।

जनसांख्यिकी

- 2016 के अंत तक, हांग कांग की आबादी में 92% चीनी नागरिक थे। 8% गैर-चीनी में काकेशियन, फिलिपिनो, भारतीय, इंडोनेशियाई, जापानी, कोरियाई, नेपाली, पाकिस्तानी, थाई और अन्य शामिल थे।
- 2006 से 2016 तक, गैर-चीनी आबादी 342,198 से 70.8% बढ़कर 584,383 हो गई, जो आम जनसंख्या के विकास दर से अधिक है। विदेशी घरेलू श्रमिकों (FDW) में वृद्धि को इस प्रवृत्ति के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। FDW को निकालकर, EM की आबादी 263,593 थी।
- EM की औषतन आयु 36.3 थी जो पूरी आबादी की तुलना में कम थी (43.4)।

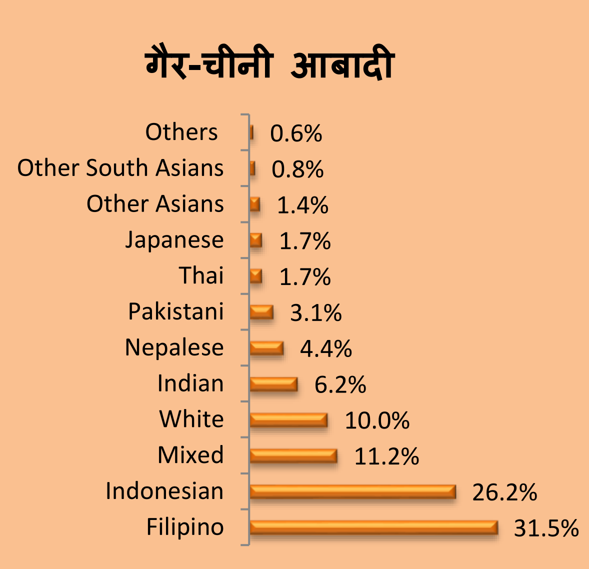

शिक्षा

- ईएम के बीच स्कूल उपस्थिति दर कम है, खासकर 18-24 आयु वर्ग के बाद (माध्यमिक)। एफडीडब्ल्यू को छोड़कर, इस आयु वर्ग में स्कूल उपस्थिति दर 43.3% तक पहुंच गई है।
- कई ईएम के लिए चीनी भाषा दूसरी (या यहां तक कि तीसरी/चौथी) भाषा है। 5 साल से अधिक उम्र के ईएम के बीच, अंग्रेजी आम तौर पर घर पर बोली जाने वाली भाषा थी, जिसमें से 45.6% इसे इसी तरह पेश करते थे. जबकि लगभग आधे (48.6%) ईएम का दावा है कि वे कैंटोनीज़ बोल सकते हैं, उनमें से कई एफडीडब्ल्यू हैं जो अपने नियोक्ताओं के साथ संवाद करने के लिए कैंटोनीज़ का उपयोग करते हैं।

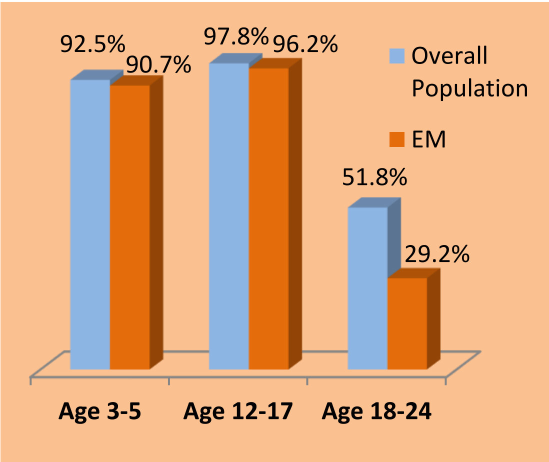

2016 में स्कूल उपस्थिति दर

- यद्यपि सरकार ने 2014/15 में चीनी भाषा पाठ्यक्रम, द्वितीय भाषा सीखने का ढांचा और एप्लाइड लर्निंग चीनी पाठ्यक्रम की शुरुआत की, लेकिन कई हितधारकों का मानना है कि चीनी भाषा को दूसरी भाषा के रूप में सीखने के लिए पाठ्यक्रम शुरू करने की आवश्यकता है। और 2013/14 में गैर-चीनी भाषी छात्रों के लिए तथाकथित "नामित स्कूलों" को खत्म करने के बावजूद, हांग कांग के 40% ईएम छात्र गैर-चीनी छात्रों के बड़े अनुपात वाले स्कूलों में आते हैं, जिनमें से कुछ 70% है, इसका अर्थ है कि वे मुख्य धारा के समुदाय में शामिल होने के लिए अब भी बाधाओं का सामना कर रहे हैं।

रोजगार

- एफडब्ल्यूडी के कारण श्रम बल में ईएम (85.9%) की भागीदारी आम जनसंख्या (60.8%) की तुलना में अधिक है। जहां इन्हें बाहर रखा गया है, वहां ईएम की श्रम बल भागीदारी दर 64.5% हो गई है। ईएम पुरुषों की कुल जनसंख्या (68.4%) की तुलना में 78.1% की भागीदारी दर है। इसके विपरीत, ईएम महिलाओं (50.6%) की दर कुल महिला आबादी (54.5%) की तुलना में कम है। पाकिस्तानी महिला (18.5%) जैसे कुछ जातीय समूहों के लिए दर और भी कम है।
- कामकाजी जातीय अल्पसंख्यकों के बहुमत (74.7%) "प्राथमिक व्यवसाय" में लगे थे, जो पूरे कामकाजी आबादी (20.9%) के अनुपात से काफी अधिक था। यह मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण था कि उनमें से कई एफडीडब्ल्यू थे। इसके अलावा, विभिन्न जातीय समूहों के बीच व्यवसायों के वितरण में भिन्नताएं थीं। उदाहरण के लिए, नेपाली और पाकिस्तानी पुरुष के 37.4% और 37.9% ने प्राथमिक व्यवसायों में काम किया, जबकि भारतीय और गोरे पुरुषों का अनुपात क्रमश: 6.7% और 1.7% था।
- 2016 में ईएम की औसत मासिक आय कुल आबादी के लिए 15,000 डॉलर की तुलना में 4,250 डॉलर थी। एफडीडब्ल्यू को छोड़कर, ईएम की मासिक आय 20,000 डॉलर तक बढ़ी। विभिन्न जातीय समूहों के बीच यह आंकड़ें खासा अलग-अलग होता है जैसे कि गोरे पुरुषों के लिए 58,000 डॉलर से लेकर पाकिस्तानी पुरुषों के लिए 12,800 डॉलर तक।

वस्तु, सुविधा और सेवाओं तक पहुंच

- ईएम के लिए वस्तुओं और सेवाओं को प्राप्त करते समय भेदभाव का सामना करना आम बात है। 2018 में, ईओसी ने नस्लीय भेदभाव अध्यादेश (RDO) के तहत 132 शिकायतों का निपटारा किया। इनमें से अधिकांश मामले गैर-रोज़गार से संबंधित थे और मुख्य रूप से वस्तुओं, सुविधाओं और सेवाओं के प्रावधान से संबंधित था। आयोजित किए गए अध्ययनों और ईओसी द्वारा एकत्रित प्रतिक्रिया के आधार पर, ईएम द्वारा बताई गई कुछ सामान्य चिंताओं को नीचे दिया गया है:

परिसर का निपटान और प्रबंधन — कुछ संपत्ति मालिकों ने ईएम को अपने अपार्टमेंट किराए पर देने से इनकार कर दिया।

वित्तीय सेवाएं — बैंक खातें खोलते समय कुछ ईएम को खारिज कर दिया गया था।

चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल — ईएम भाषा अवरोध और अपर्याप्त भाषांतरण सुविधाओं के कारण समय पर इलाज प्राप्त करने में असमर्थ थे।

भेदभाव से कानूनी संरक्षण

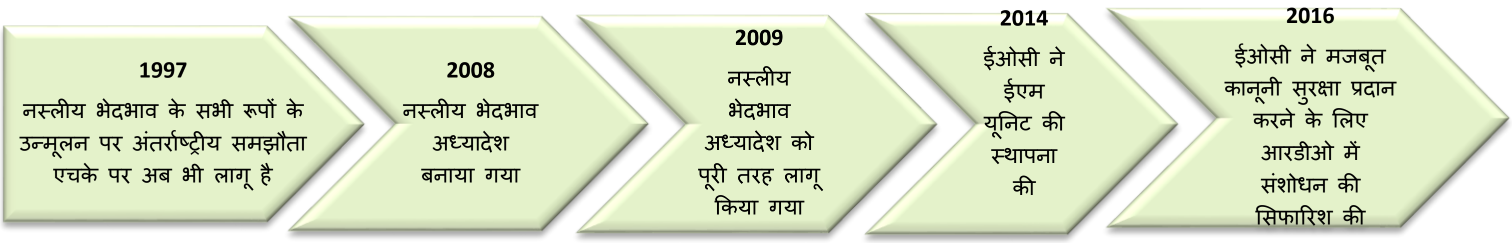

आरडीओ के तहत, नस्ल के आधार पर भेदभाव, उत्पीड़न और तिरस्कार गैरकानूनी है। नस्ल का मतलब है कि किसी व्यक्ति की जाति, रंग, वंश, राष्ट्रीयता या जातीय उत्पत्ति। ईओसी ने भेदभाव कानून समीक्षा में सिफारिश की है कि सरकार: (1) सरकारी कार्यों या शक्तियों के प्रयोग में जाति भेदभाव को रोके, (2) संघ द्वारा जाति भेदभाव और उत्पीड़न को प्रतिबंधित करें, और (3) व्यावसायिक प्रशिक्षण और शिक्षा में निर्देश के माध्यम में अपवाद को निरस्त करें।

भेदभाव कानून समीक्षा के बारे में: http://www.eoc.org.hk/eoc/graphicsfolder/inforcenter/dlr/default.aspx

स्रोत: *2016* आबादी उप-जनगणना, जातीय अल्पसंख्यकों पर विषयगत रिपोर्ट

कॉपीराइट © **Equal Opportunities Commission**, जुन 2019
पता: 16/F, 41 ह्युंग यिप रोड़, वांग चुक हांग, हांग कांग
टेली: 2511 8211 फैक्स: 2511 8142 ई-मेल: eoc@eoc.org.hk वेबसाइट: www.eoc.org.hk